No. of Printed Pages : 4 **BSKC–133**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.–133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र में कुल* ***तीन*** *खण्ड हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 2×15=30

(क) कर्णौ त्वरापहृतभूषणभुग्नपाशौ

संस्रंसिताभरणगौरतलौ च हस्तौ ।

एतानि चाभरणभारनतानि गात्रे

स्थानानि नैव समतामुपयान्ति तावत्॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

अयशसि यदि लोभः कीर्तयित्वा किमस्मान्

किमु नृपफलतर्षः किं नरेन्द्रो न दद्यात्।

अथ तु नृपतिमातेत्येष शब्दस्तवेष्टो

वदतु भवति। सत्यं किं तवार्यो न पुत्रः ?॥

(ख) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा

तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।

स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्

कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव॥

अथवा

अर्थो हि कन्या परकीय एव

तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।

जातो ममायं विशदः प्रकामं

प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. नाट्योत्पत्ति के संबंध में 'दैवी उत्पत्ति के सिद्धान्त' को समझाइए। 5

3. भवभूति के सभी नाटकों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 5

4. नायक को समझाते हुए उसके भेदों का संक्षिप्त निरूपण कीजिए। 5

5. 'प्रतिमानाटकम्' नाटक की नामकरण की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए। 5

6. संस्कृत नाटकों के विकासक्रम का उल्लेख कीजिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

8. 'प्रतिमानाटकम्' के अनुसार भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

9. महाकवि कालिदास की नाट्यकला और शैली का विस्तृत विवेचन कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$3 \times 5 = 15$

(क) ईहामृग

(ख) विदूषक

(ग) अपवारित

(घ) विष्कम्भक

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com